Jai Maa Saraswati Gyandayini
An International Multidisciplinary e-Journal
(Peer Reviewed, Open Accessed & Indexed)
Web: www.jmsjournals.in Email: jmsjournals.in@gmail.com
ISSN: 2454-8367
Vol. 3, Issue-IV
April 2018
Impact Factor : 4.032 (IIJIF)
UGC Approved e-Journal No. - 43919
e-ISJN: A4372-3118

डॉ. सी. वी. रामन् विश्वविद्यालय का क्षेत्रीय आर्थिक गतिविधियों पर प्रभाव (एक अध्ययन)

शोधार्थी
कु. सुमन लता राठौर
एम.फिल. (अर्थशास्त्र)
डॉ. सी. वी. रामन् विश्वविद्यालय,
करगीरोड कोटा, बिलासपुर (छ.ग.)

शोध निर्देशिका
डॉ. प्रतिमा बैस
विभागाध्यक्ष
अर्थशास्त्र विभाग
डॉ. सी. वी. रामन् विश्वविद्यालय,
करगीरोड कोटा, बिलासपुर (छ.ग.)

शोध सार

शिक्षा मनुष्य के विकास की पूर्णता की अभिव्यक्ति है। शिक्षा किसी भी व्यक्ति, समाज और राष्ट्र के विकास की धुरी होती है। शिक्षा का स्तर किसी देश के विकास के प्रमुख संकेतक है। शिक्षा नागरिकों में न सिर्फ जागरूकता लाती है, बल्कि उसकी सामाजिक और आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ बनाती है। इसके माध्यम से जनसंख्या नियंत्रण, स्वास्थ्य, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, रोजगार सृजन तथा कुपोषण से मुक्ति जैसे कार्य भी संभव हो जाते हैं। जिस प्रकार शरीर को सीधा खड़ा रखने के लिए ''रीढ़ की हड्डी'' आधार का कार्य करती है, ठीक उसी प्रकार किसी भी देश के आर्थिक विकास में ''शिक्षा'' आधार का कार्य करती है और यदि यह ''शिक्षा'' ग्रामीण आदिवासी विकास के संदर्भ में हो तब इसका महत्व और अधिक व्यापक हो जाता है। अतः ग्रामीण आदिवासी क्षेत्र में शिक्षा को जड़ तक मजबूत करने के लिये डॉ. सी. वी. रामन् विश्वविद्यालय के कुलाधिपति श्री संतोष कुमार चौबे जी के द्वारा भारत देश के छ.ग. प्रदेश के बिलासपुर जिला के ग्रामीण आदिवासी क्षेत्र, करगी रोड, कोटा में डॉ. सी. वी. रामन् विश्वविद्यालय की स्थापना की गयी है। अतः प्रस्तुत अध्ययन का मुख्य उद्देश्य डॉ. सी. वी. रामन् विश्वविद्यालय की स्थापना के पश्चात् क्षेत्रीय स्तर पर आर्थिक गतिविधियों पर पड़ने वाले प्रभावों का अध्ययन करना है। किसी क्षेत्र में विश्वविद्यालय स्थापित होता है, तो उस क्षेत्र एवं उससे जुड़े क्षेत्रों में शिक्षा के साथ–साथ रोजगार एवं अन्य सुविधाओं का विकास होता है। अतः डॉ. सी. वी. रामन् विश्वविद्यालय के स्थापित हो जाने से कोटा एवं आसपास के क्षेत्रों में तकनीकी शिक्षा का विस्तार हो रहा है, कोटा एवं आस–पास के क्षेत्र के लोगों की सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति सुदृढ़ हुई है। विश्वविद्यालय की स्थापना से अब तक कोटा एवं आसपास के क्षेत्रों में रोजगार बढ़ा है, लोगों के रहन–सहन एवं सोच का स्तर ऊँचा उठा है। करगीरोड, कोटा में डॉ. सी. वी. रामन् विश्वविद्यालय की स्थापना के पश्चात् आज कोटा एवं आसपास के क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियाँ उच्च हुई हैं। इस प्रकार शिक्षा किसी क्षेत्र के समग्र विकास के आवश्यक कारक है तथा मानव जीवन के अनेक समस्याओं के समाधान में सहायक है।

Jai Maa Saraswati Gyandayini
An International Multidisciplinary e-Journal
(Peer Reviewed, Open Accessed & Indexed)
Web: www.jmsjournals.in Email: jmsjournals.in@gmail.com
ISSN: 2454-8367
Vol. 3, Issue-IV
April 2018
Impact Factor : 4.032 (IIJIF)
UGC Approved e-Journal No. - 43919
e-ISJN: A4372-3118

प्रस्तावना :–

''शिक्षा और विकास का समन्वय''

– डॉ. सी. वी. रामन् विश्वविद्यालय की अनूठी पहल

''किसी देश का आर्थिक विकास उसकी कार्यकुशल, शिक्षित एवं प्रशिक्षित श्रम शक्ति पर निर्भर करता है।''[1] ''किसी देश के आर्थिक विकास की प्रक्रिया को गतिशील बनाने तथा उपलब्ध संसाधनों का युक्तिपरक विदोहन करने में उस देश की विवेकशील जनसंख्या की भूमिका अत्यधिक महत्वपूर्ण होती है। जिस देश की जनसंख्या अधिक शिक्षित, प्रशिक्षित तथा तकनीकी ज्ञान से युक्त होती है, वह देश उतनी ही तेजी से विकास करता है। देश के पास बौद्धिक संपदा के रूप में इंजीनियर, तकनीकी प्रशिक्षक, प्रबंधकीय और प्रशासकीय सेविवर्ग, वैज्ञानिक, चिकित्सक व कृषि वैज्ञानिक हो,''[2] तो देश का आर्थिक विकास अत्यंत तेजी से होता है और विकास के इस चरण में ''शिक्षा'' का महत्वपूर्ण योगदान होता है।

भारतीय अर्थव्यवस्था में शिक्षा का विशेष महत्व है। भारत की आर्थिक समृद्धि और विकास में ''शिक्षा'' की भूमिका अत्यंत ही महत्वपूर्ण है।

''शिक्षा मनुष्य के विकास की पूर्णता की अभिव्यक्ति है। शिक्षा के द्वारा ही इच्छा शक्ति की धारा पर सार्थक नियंत्रण स्थापित हो सकता है।''[3] ''शिक्षा जीवन पर्यन्त चलने वाली अनवरत् क्रिया है।''[4] ''शिक्षा समय के समान गतिशील है, जिस प्रकार समय कभी नहीं रूकता, चलता ही रहता है। ठीक उसी प्रकार शिक्षा की प्रक्रिया लगातार चलती रहती है और प्राप्त ज्ञान में अधिक वृद्धि करती है, साथ ही मनुष्य के जीवन को उत्तम, प्रगतिशील तथा आनंदमयी बनाती है।''[5] मानव जीवन का प्रमुख उद्देश्य स्वयं को समृद्ध एवं सुखी बनाते हुए समाज, राष्ट्र एवं संस्कृति को विकसित एवं अक्षुण्य बनाने से है और इस दिशा में विश्वविद्यालयीन शिक्षा का महत्वपूर्ण योगदान है।

किसी क्षेत्र में विश्वविद्यालय स्थापित होता है, तो उस क्षेत्र एवं उससे जुड़े क्षेत्रों में शिक्षा के साथ–साथ रोजगार एवं अन्य सुविधाओं का विकास होता है। एक ओर जहाँ शहरी क्षेत्रों में शिक्षा का प्रतिशत लगातार बढ़ते जा रहा है, लोग शहरों के विकास के बारे में सोचते हैं, वहीं डॉ. सी. वी. रामन् विश्वविद्यालय के प्रमुख

---

1 डॉ. जे.पी. मिश्राः संवृद्धि एवं विकास का अर्थशास्त्रः साहित्य भवन पब्लिकेशन्स – पेज नं. 145।
2 वहीः पेज नं. 147।
3 उदीयमान भारतीय समाज में अध्यापक–राधा प्रकाशन मंदिर, आगरा –282 002 – पेज नं. 3।
4 वहीः पेज नं. 9।
5 वहीः पेज नं. 8।

Jai Maa Saraswati Gyandayini ISSN: 2454-8367
An International Multidisciplinary e-Journal
(Peer Reviewed, Open Accessed & Indexed)
Web: www.jmsjournals.in Email: jmsjournals.in@gmail.com
Vol. 3, Issue-IV
April 2018
Impact Factor : 4.032 (IIJIF) UGC Approved e-Journal No. - 43919 e-ISJN: A4372-3118

कुलाधिपति श्री संतोष कुमार चौबे जी ने गाँव के विकास के बारे में सोचा। कुलाधिपति जी की गाँव के विकास के प्रति सोच एक अत्यंत ही सार्थक पहल है, क्योंकि आज भारत के अनेकों ऐसे गाँव है, जो शिक्षा के क्षेत्र में पिछड़े हुए हैं। शिक्षा के क्षेत्र में पिछड़ापन उनको नयी तकनीकी से जुड़ने नहीं देता है और इस तरह इन ग्रामीण क्षेत्रों का विकास तेजी से नहीं हो पाता है। अतः शिक्षा को ग्रामीण क्षेत्रों में जड़ तक मजबूत करने के लिए डॉ. सी. वी. रामन् विश्वविद्यालय के कुलाधिपति श्री संतोष कुमार चौबे जी ने भारत देश के छ.ग. प्रदेश के बिलासपुर जिला के ग्रामीण आदिवासी क्षेत्र, करगी रोड, कोटा का चुनाव किया और श्री चौबे जी के योगदान एवं सार्थक पहल से ही विश्वविद्यालयीन शिक्षा कोटा क्षेत्र तक पहुँची, जिसको प्रफूल्लित करने में डॉ. सी. वी. रामन् विश्वविद्यालय करगी रोड, कोटा, बिलासपुर (छ.ग.) के पूर्व कुलसचिव श्री शैलेष पाण्डे सर जी का महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

''डॉ. सी. वी. रामन् विश्वविद्यालय की स्थापना 3 नवंबर 2006 को इसकी प्रायोजक संस्था ऑल इंडिया सोसायटी फॉर इलेक्टॉनिक्स एंड कम्प्यूटर टेक्नॉलॉजी (आईसेक्ट) द्वारा भारत देश के छ.ग. प्रदेश के बिलासपुर जिला के ग्रामीण आदिवासी क्षेत्र करगी रोड, कोटा में उच्चस्तरीय विश्वविद्यालयीन शिक्षा की स्थापना की गयी। विश्वविद्यालय का नाम देश के सुप्रसिद्ध भौतिक विज्ञानी व नोबल पुरस्कार विजेता डॉ. सी. वी. रामन् के नाम पर रखा गया है। डॉ. सी. वी. रामन् विश्वविद्यालय एक निजी विश्वविद्यालय है। डॉ सी. वी. रामन् विश्वविद्यालय की स्थापना का प्रमुख उद्देश्य राष्ट्र की आवश्यकता के अनुरूप उच्च नैतिक मूल्य व ज्ञान से परिपूर्ण तथा कुशल तकनीकी योग्यता व क्षमता युक्त पेशेवर तैयार करना है।''[6]

करगीरोड, कोटा एक प्राचीन औद्योगिक नगर है, जो छ.ग. प्रदेश के बिलासपुर शहर (जिला) के उत्तर की ओर 32 कि.मी. की दूरी पर तीनों ओर पहाड़ों से घिरा हुआ रमणिक नगर है। इसका क्षेत्रफल लगभग 20 वर्ग कि.मी. है और इसी आदिवासी क्षेत्र करगीरोड कोटा में डॉ. सी. वी. रामन् विश्वविद्यालय की स्थापना की गयी है। यह विकास के लिए एक चहुमुँखी प्रयास है, जो अपनी स्थापना 2006 से लेकर वर्तमान 2018 तक 11 वर्षों के विकास में अपनी सफलतम कीर्तिमान पर है। करगीरोड, कोटा में विश्वविद्यालय की स्थापना के पश्चात् आज कोटा एवं आसपास के क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियाँ उच्च हुई हैं। जैसे – विश्वविद्यालय के स्थापित हो जाने से कोटा एवं आसपास के क्षेत्रों में तकनीकी शिक्षा का विस्तार हो रहा है, विश्वविद्यालय की स्थापना से अब तक कोटा एवं आसपास के क्षेत्रों में रोजगार बढ़ा है, लोगों के रहन–सहन एवं सोच का स्तर ऊँचा उठा है।

यह विश्वविद्यलाय कोटा एवं आस–पास के जनमानस के अलावा राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी पहचान बनाने में सफल हुआ है।

[6] डॉ. सी. वी. रामन् विश्वविद्यालयः Information Brochure Book

Jai Maa Saraswati Gyandayini ISSN: 2454-8367
An International Multidisciplinary e-Journal
(Peer Reviewed, Open Accessed & Indexed)
Web: www.jmsjournals.in Email: jmsjournals.in@gmail.com
Vol. 3, Issue-IV
April 2018
Impact Factor : 4.032 (IIJIF) UGC Approved e-Journal No. - 43919 e-ISJN: A4372-3118

अपने गौरवशाली अतीत के साथ भावी संभावनाओं को संवारने का यह प्रयास अपने आप में अभिनव अवसर है। शिक्षा, प्रौद्यागिकी/तकनीकी, कला एवं संस्कृति, कृषि, अनुसंधान का समन्वय करते हुए इस विश्वविद्यालय में इन सभी पहलुओं पर विशेष एवं व्यापक रूप से ध्यान दिया जाता है।

वर्तमान में विश्वविद्यालय में 8 फैकेल्टिस के साथ 30 शिक्षण विभाग हैं। इन 30 शिक्षण विभागों में 54 यूजी, पीजी एवं डिप्लोमा प्रोग्राम्स चलाये जाते है। साथ ही विश्वविद्यालय में उच्चस्तरीय शिक्षा एम. फिल. एवं पी. एचडी. पाठ्यक्रम भी संचालित है।

इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी, शिक्षा एवं शारीरिक शिक्षा, सूचना एवं प्रौद्योगिकी, वाणिज्य एवं प्रबंधन, विज्ञान, कला, लॉ, जन संचार (मास कम्युनिकेशन), कौशल विकास फैकेल्टिस विश्वविद्यालय में संचालित है, जिनमें शिक्षा ग्रहण कर, आम जनता निश्चित तौर पर प्रेरित होंगी।

डॉ सी. वी. रामन् विश्वविद्यालय शैक्षणिक दृष्टि से अत्यंत समृद्ध है। शिक्षा का प्रभाव व्यापक और गहरा होता है। विश्वविद्यालय के खुलने से जहाँ एक ओर कोटा के लोगों को अपनी प्रतिभा निखारने का मौका मिला है, वहीं इसके अनुपम प्रयास का लाभ अन्य क्षेत्रों तक पहुँचा है।

डॉ. सी. वी. रामन् विश्वविद्यालय एक अग्रणी और प्रमुख विश्वविद्यालय है। डॉ. सी. वी. रामन् विश्वविद्यालय की स्थापना ग्रामीण आदिवासी क्षेत्र कोटा में हो जाने के पश्चात् अब हमारे समक्ष एक महत्वपूर्ण प्रश्न यह उठता है कि डॉ. सी. वी. रामन् विश्वविद्यालय की स्थापना के पश्चात् क्षेत्रीय आर्थिक गतिविधियों पर क्या प्रभाव पड़ा है?

डॉ. सी. वी. रामन् विश्वविद्यालय की स्थापना के पूर्व एवं स्थापना के पश्चात् से लेकर अब तक के सफर में क्षेत्रीय स्तर पर क्या–क्या आर्थिक परिवर्तन हुए हैं, यह एक महत्वपूर्ण चुनौती बनकर उभरा है, क्योंकि डॉ. सी. वी. रामन् विश्वविद्यालय की स्थापना ग्रामीण आदिवासी क्षेत्र में करने का उद्देश्य शिक्षा एवं विकास के स्तर को ऊँचा उठाना है। जिसमें डॉ. सी. वी. रामन् विश्वविद्यालय करगीरोड, कोटा ने स्थापना के कुछ ही वर्षों में सफलता प्राप्त कर ली है अैर भविष्य में यह विश्वविद्यालय शहरी क्षेत्रों के साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में अपनी जड़े इतनी मजबूत कर लेगा कि देश के हर बड़े क्षेत्र में फिर चाहे वह ग्रामीण हो या शहरी, नगर हो या महानगर, राष्ट्र हो या अंतर्राष्ट्रीय हर ओर सिर्फ एक ही नाम होगा– डॉ. सी .वी. रामन् विश्वविद्यालय की शिक्षा एवं शिक्षित विद्यार्थीगण।

अंत में शोधार्थी के रूप में यह कहना चाहूँगी कि डॉ. सी. वी. रामन् विश्वविद्यालय की उपलब्धियों को ध्यान में रखते हुए कोटा, बिलासपुर छ.ग. में डॉ. सी. वी. रामन् विश्वविद्यालय स्थित है, जिनके संरक्षण के साथ ही इस विश्वविद्यालय की जानकारी आम लोगों तक पहुँचाने की जरूरत है। यह विश्वविद्यालय शिक्षा एवं ग्रामीण

Jai Maa Saraswati Gyandayini ISSN: 2454-8367
An International Multidisciplinary e-Journal
(Peer Reviewed, Open Accessed & Indexed)
Web: www.jmsjournals.in Email: jmsjournals.in@gmail.com
Vol. 3, Issue-IV
April 2018
Impact Factor : 4.032 (IIJIF) UGC Approved e-Journal No. - 43919 e-ISJN: A4372-3118

पहलुओं को रेखांकित करने के साथ हमारी कला एवं संस्कृति, तकनीकी के प्रति आम जनता में चेतना जागृत करने में सफल होगी।

अध्ययन का उद्देश्य :–

प्रस्तुत अध्ययन का मुख्य उद्देश्य डॉ. सी. वी. रामन् विश्वविद्यालय का क्षेत्रीय आर्थिक गतिविधियों पर पड़ने वाले प्रभावों का अध्ययन करना है। जिसके लिए निर्धारित उद्देश्य निम्नलिखित है :–

1. डॉ. सी. वी. रामन् विश्वविद्यालय की स्थापना से क्षेत्रीय स्तर पर शिक्षा की भूमिका का अध्ययन।
2. डॉ. सी. वी. रामन् विश्वविद्यालय की शिक्षा से लाभान्वित हो रहे विद्यार्थियों का अध्ययन।
3. शिक्षा एवं ग्रामीण विकास समन्वय की उपलब्धियों का वर्णन।
4. विश्वविद्यालय की स्थापना से क्षेत्रीय स्तर पर रोजगार, शिक्षा एवं अन्य सुविधाओं के विकास का अध्ययन।
5. क्षेत्रीय स्तर पर शिक्षा से होने वाले प्रभावों का अध्ययन।
6. क्षेत्रीय समस्यायें जानना एवं उनके निदान के लिए सुझाव के रूप में मार्ग प्रशस्त करना।

अध्ययन का प्रभाव :–

प्रस्तुत अध्ययन में डॉ. सी. वी. रामन् विश्वविद्यालय की स्थापना के पश्चात् क्षेत्रीय आर्थिक गतिविधियों पर पड़ने वाले प्रभाव निम्नलिखित हैं:–

कोटा क्षेत्र में – कोटा में प्राईमरी, मिडिल, हाई एवं हायर सेकेण्डरी स्कूल विद्यमान है। जो उच्चस्तरीय विश्वविद्यालयीन शिक्षा का आधार स्तम्भ है। अतः डॉ. सी. वी. रामन् विश्वविद्यालय की स्थापना के पश्चात् विश्वविद्यालयीन शिक्षा कोटा क्षेत्र में ही उपलब्ध हो जाने से कोटा में उच्चस्तरीय शिक्षा में विस्तार हो रहा है। साथ ही विश्वविद्यालय की स्थापना के पश्चात् कोटा क्षेत्र में रोजगार में वृद्धि हुई है। जैसे– डॉ. सी. वी. रामन् विश्वविद्यालय की स्थापना के पश्चात् करगीरोड, कोटा में कम्प्यूटर दुकान, हॉटल, रेस्टोरेण्ट, हॉस्टल, लॉज, मोबाइल दुकान, एवं ऑटो, बस आदि में रोजगार में तेजी से बढ़ोत्तरी हुई है। साथ ही विश्वविद्यालय खुल जाने से कोटा में लोगों ने अपने घरों का विकास किया है, इन घरों में हॉस्टल, दुकान, किराये पर देकर आय प्राप्त किया जाता है, जो कोटा निवासियों के आय का महत्वपूर्ण स्त्रोत है। साथ ही कोटा के निवासियों के रहन–सहन एवं सोच का स्तर भी उच्च हुआ है।

अन्य क्षेत्रों पर प्रभाव– कोटा में आवागमन के पर्याप्त साधन उपलब्ध हैं। कोटा में रेल, बस एवं ऑटो की पर्याप्त सुविधा है एवं डॉ. सी. वी. रामन् विश्वविद्यालय में शिक्षा की पर्याप्त उपलब्धता है। यही कारण है कि कोटा में डॉ. सी. वी. रामन् विश्वविद्यालय के स्थापित हो जाने से छत्तीसगढ़ के सभी जिलों से डॉ. सी. वी. रामन् विश्वविद्यालय करगीरोड, कोटा में बड़ी संख्या में विद्यार्थी पढ़ रहे हैं। साथ ही छ.ग. के अलावा भारत के अन्य

Jai Maa Saraswati Gyandayini ISSN: 2454-8367
An International Multidisciplinary e-Journal
(Peer Reviewed, Open Accessed & Indexed)
Web: www.jmsjournals.in Email: jmsjournals.in@gmail.com
Vol. 3, Issue-IV
April 2018
Impact Factor : 4.032 (IIJIF) UGC Approved e-Journal No. - 43919 e-ISJN: A4372-3118

राज्यों से भी करगीरोड, कोटा में विद्यार्थी अध्ययन कर रहे हैं। अतः डॉ. सी. वी. रामन् विश्वविद्यालय करगीरोड, कोटा की शिक्षा का प्रभाव कोटा, छ.ग. के अलावा भारत के उन सभी राज्यों तक पहुँच रहा है एवं उन सभी क्षेत्रों का विकास हो रहा है, जहाँ तक डॉ. सी. वी. रामन् विश्वविद्यालय करगीरोड, कोटा के विद्यार्थी लाभान्वित हो रहे हैं।

अध्ययन का महत्व :–

करगीरोड, कोटा में डॉ. सी. वी. रामन् विश्वविद्यालय की स्थापना के पश्चात् आज कोटा एवं आसपास के क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियाँ उच्च हुई हैं। जैसे – विश्वविद्यालय के स्थापित हो जाने से कोटा एवं आसपास के क्षेत्रों में शिक्षा का विस्तार हो रहा है, विश्वविद्यालय की स्थापना से अब तक कोटा एवं आसपास के क्षेत्रों में रोजगार बढ़ा है, लोगों के रहन–सहन एवं सोच का स्तर ऊँचा उठा है। जिसके कारण डॉ. सी. वी. रामन् विश्वविद्यालय का महत्व कोटा एवं आस–पास के जनमानस के अलावा राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर भी बढ़ता जा रहा है।

निष्कर्ष :–

शिक्षा एवं विकास को रेखांकित करते हुए अध्ययन के निष्कर्ष के रूप में यह परिणाम प्राप्त हुआ कि डॉ. सी. वी. रामन् विश्वविद्यालय की स्थापना के पश्चात् कोटा एवं आस–पास के क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियाँ उच्च हुई हैं। डॉ. सी. वी. रामन् विश्वविद्यालय के कारण कोटा एवं आस–पास के क्षेत्र में शिक्षा व रोजगार की संख्या में वृद्धि हुई है। विश्वविद्यालय की स्थापना के पश्चात् क्षेत्रीय स्तर पर शिक्षा, रोजगार, तकनीकी, कला एवं संस्कृति, विज्ञान प्रत्येक क्षेत्र में लोगों का जीवन स्तर ऊँचा उठा है। विश्वविद्यालय की स्थापना के पश्चात् जनमानस के आर्थिक विकास में वृद्धि हुई है।

संदर्भ ग्रंथ सूची :–

पुस्तकें –

- उदीयमान भारतीय समाज में अध्यापक, राधा प्रकाशन मन्दिर, आगरा–282 002
- डवलपमेंट एण्ड प्लानिंग ऑफ मॉडर्न एजूकेशन, अग्रवाल जे.सी. (2000), विकास पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
- डॉ. सी. वी. रामन् विश्वविद्यालय – Information Brochure Book
- भारतीय अर्थव्यवस्था, दत्त एवं सुंदरम्, एस. चन्द एण्ड कम्पनी प्रा. लि. रामनगर, नई दिल्ली
- संवृद्धि एवं विकास का अर्थशास्त्र, डॉ. जे. पी. मिश्रा, साहित्य भवन पब्लिकेशन
- वीरेन्द्र प्रकाश शर्मा, रिसर्च मेथेडॉलॉजी, पंचशील प्रकाशन, जयपुर

रिर्पोट्स एवं प्रकाशन –

- इलेक्ट्रानिकी आपके लिए–आईसेक्ट
- मासिक प्रगति पत्र–डॉ. सी. वी. रामन् विश्वविद्यालय करगीरोड कोटा, बिलासपुर (छ.ग.)
- Self Study Report Volume-I, डॉ. सी. वी. रामन् विश्वविद्यालय करगीरोड कोटा, बिलासपुर (छ.ग.)

वेबसाइट्स –

- www.cvru.ac.in